RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
अक्टूबर
09
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

सामाजिक न्याय की स्थिति रिपोर्ट 2025 / The State of Social Justice report 2025

संदर्भ:

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) ने अपनी महत्वपूर्ण रिपोर्ट The State of Social Justice: A Work in Progress (2025) जारी की, जो 1995 के कोपेनहेगन सम्मेलन की 30वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित द्वितीय विश्व समाज विकास शिखर सम्मेलन से पहले प्रकाशित हुई है।

वैश्विक असमानता रिपोर्ट 2025 – मुख्य निष्कर्ष:

1995 से प्रगति:

- वैश्विक स्तर पर **चरम गरीबी** 39% से घटकर 10% हो गई है।
- **कामकाजी गरीबी दर** 28% से घटकर 7% हो गई है।
- 5-14 वर्ष के बच्चों में **बाल श्रम** 250 मिलियन से घटकर 106 मिलियन हो गया।
- 2023 से, **विश्व की आधी से अधिक आबादी** किसी न किसी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा कवरेज में है।

असमानताएं अभी भी बरकरार:

- आय और संपत्ति में असमानता अधिक है; **धनवान वर्ग का हिस्सा बहुत बड़ा है**।
- व्यक्ति के जन्म की परिस्थितियां उसके **जीवन भर की आय** को प्रभावित करती हैं।
- **लिंग वेतन अंतर को कम करने** में प्रगति धीमी है।
- **संस्थाओं में विश्वास** कम हुआ है, अक्सर इनाम प्रणाली में perceived अनुचितता के कारण।

भविष्य के जोखिम: पर्यावरणीय, डिजिटल और जनसंख्या परिवर्तन बिना लक्षित नीतियों के **असमानता बढ़ा सकते हैं**।

सिफारिशें और वैश्विक पहल

- **सामाजिक न्याय को नीतियों में शामिल करना:** ILO का सुझाव है कि सभी नीति क्षेत्रों में सामाजिक न्याय को मुख्यधारा में लाया जाए।
- **हितधारकों के बीच सहयोग बढ़ाना:** सरकारें, समाज, और निजी क्षेत्र मिलकर असमानता कम करने की रणनीतियों को लागू करें।

वैश्विक कार्यक्रम: यह रिपोर्ट **दोहा में आयोजित दूसरी विश्व सामाजिक विकास शिखर बैठक** के लिए जारी की गई, जो पहली शिखर बैठक के 30 साल पूरे होने का अवसर है।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) – परिचय और कार्य:

- ILO, 1919 में स्थापित, संयुक्त राष्ट्र की एकमात्र त्रिपक्षीय एजेंसी है।
- इसका उद्देश्य **श्रम मानकों का निर्धारण, नीतियों का विकास और सभ्य कार्य को बढ़ावा** देकर सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना है।
- यह **सरकारों, नियोक्ताओं और श्रमिकों** के प्रतिनिधियों को एक साथ लाता है।
- मुख्यालय: जिनेवा, स्विट्ज़रलैंड।
- 1969 में, ILO को **नोबेल शांति पुरस्कार** मिला।

मुख्य कार्य:

1. **श्रम मानक:** अंतर्राष्ट्रीय श्रम मानकों को अपनाना और लागू करना।
2. **नीति विकास:** सामाजिक और श्रम मुद्दों के लिए नीतियां और कार्यक्रम तैयार करना।
3. **सदस्य देशों को सहायता:** सामाजिक और श्रम समस्याओं का समाधान।
4. **मानवाधिकार संरक्षण:** श्रमिकों और मानवाधिकारों की सुरक्षा।
5. **अनुसंधान और प्रकाशन:** श्रम और सामाजिक मुद्दों पर शोध करना और रिपोर्ट प्रकाशित करना।

स्थापना और इतिहास:

- स्थापना: 1919 में वर्साय की संधि के तहत।
- संयुक्त राष्ट्र से जुड़ाव: 1946 में संयुक्त राष्ट्र की पहली संबद्ध विशेष एजेंसी।

संरचना:

1. **अंतर्राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन:** वार्षिक बैठक, जिसमें श्रमिक, नियोक्ता और सरकार के प्रतिनिधि शामिल होते हैं; अंतर्राष्ट्रीय श्रम मानक और नीतियां तय होती हैं।
2. **शासी निकाय:** ILO की कार्यकारी परिषद, जो नीति और बजट तय करती है।
3. **अंतर्राष्ट्रीय श्रम कार्यालय:** स्थायी सचिवालय, जो संगठन के प्रशासन और गतिविधियों को संचालित करता है।

टेम्पोरोमैंडिबुलर जोड़ / Temporomandibular Joint (TMJ)

संदर्भ:

भारत की मेडिकल तकनीक क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में, मौलाना आज़ाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेस (MAIDS), नई दिल्ली की क्लिनिकल टीम ने चार मरीजों पर **कस्टमाइज्ड टेम्पोरो-मैंडिबुलर जॉइंट (TMJ) इम्प्लांट** सफलतापूर्वक किया।

- यह TMJ इम्प्लांट भारत में ICMR-DHR-MedTech Product Development Acceleration Gateway of India (mPRAGATI) में विकसित किया गया था। इस नवाचार से न केवल आयातित इम्प्लांट पर निर्भरता कम होगी, बल्कि भारतीय मरीजों के लिए सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली मेडिकल डिवाइस की पहुँच भी बढ़ेगी।

देश में विकसित TMJ इम्प्लांट और सर्जरी:

- **विकास और निर्माण:** कस्टम TMJ इम्प्लांट को ICMR-DHR-MedTech Product Development Acceleration Gateway of India (mPRAGATI) में विकसित किया गया, जो IIT दिल्ली में MDMS के तहत संचालित है। इन इम्प्लांट्स को पूरी तरह से भारत में ही उन्नत डिजिटल इमेजिंग, 3D प्रिंटिंग और प्रिसिजन इंजीनियरिंग की मदद से डिजाइन और निर्मित किया गया।
- **सर्जिकल टीम:** MAIDS में एक बहु-विषयक टीम, जिसमें ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जन, बायोमेडिकल इंजीनियर्स और प्रोस्थोडोन्टिस्ट शामिल थे, ने सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।
- **मरीजों पर ध्यान:** यह सर्जरी उन मरीजों पर केंद्रित थी जिनमें TMJ विकार ankylosis, arthritis और ट्रॉमा-संबंधित असमानताओं के कारण उत्पन्न हुए थे।

देश में विकसित TMJ इम्प्लांट के फायदे:

यह नया घरेलू TMJ इम्प्लांट तकनीक आयातित विकल्पों की तुलना में कई महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करती है:

1. **सस्ते में उपलब्ध:** यह भारतीय उद्योग में बने संस्करणों की तुलना में लगभग पाँचवीं हिस्से की लागत में उपलब्ध है और आयातित उपकरणों से कई गुना सस्ता है।
2. **व्यक्तिगत डिजाइन:** कस्टम डिज़ाइन भारतीय मरीजों की शारीरिक बनावट के अनुसार अधिक व्यक्तिगत फिट सुनिश्चित करता है।
3. **बेहतर कार्यक्षमता:** इसमें मांसपेशियों के जुड़ाव की विशेष सुविधा है, जिससे जबड़े की गति, स्थिरता और कार्यात्मक परिणाम बेहतर होते हैं।
4. **जल्दी रिकवरी:** डिज़ाइन मरीजों की जल्दी रिकवरी में मदद करता है।
5. **कम समय में उपलब्ध:** स्थानीय निर्माण की वजह से ऑर्डर से डिलीवरी तक का समय लगभग दो सप्ताह है, जो आयातित उपकरणों की तुलना में काफी तेज़ है।

टेम्पोरो-मैंडिबुलर जॉइंट (TMJ) –

TMJ क्या है? टेम्पोरो-मैंडिबुलर जॉइंट (TMJ) वह जोड़ है जो खोपड़ी (टेम्पोरल बोन) को निचले जबड़े (मैंडिबल) से जोड़ता है। यह जोड़ बोलने, चबाने और जम्हाई लेने में मदद करता है और कान के सामने स्थित होता है। यह कई मांसपेशियों और स्नायुबंधों से जुड़ा होता है।

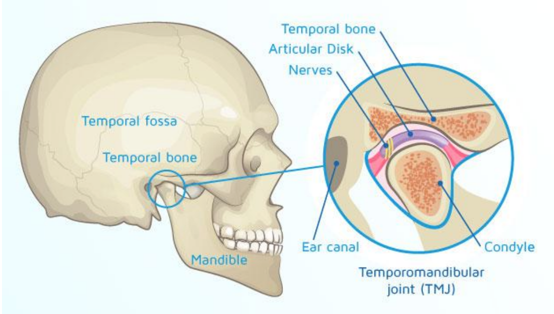

TMJ कैसे काम करता है?

- जोड़ टेम्पोरल बोन और मैंडिबल को जोड़ता है।
- इसमें **आर्टिकुलर कार्टिलेज डिस्क** होती है, जो हड्डियों को सीधे रगड़ने से बचाती है।
- मुंह खोलने, बंद करने या जबड़े को आगे, पीछे और साइड में हिलाने पर यह सक्रिय होता है।

TMJ डिसऑर्डर (TMD) क्या है? TMJ या उससे जुड़ी मांसपेशियों/स्नायुबंधों में समस्या होने पर इसे **टेम्पोरोमैंडिबुलर डिसऑर्डर (TMD)** कहते हैं।

लक्षण:

- चेहरे में दर्द
- चबाने में कठिनाई
- जबड़े की क्लिकिंग आवाज
- सिरदर्द

कारण:

- तनाव, दांत पीसना (Bruxism), कठोर खाद्य पदार्थ खाना, जबड़े के जोड़ पर जोर डालना

उपचार:

- नरम आहार अपनाना
- दर्द वाले क्षेत्र पर गर्म सेक लगाना
- जबड़े की मांसपेशियों की मालिश
- सोने की स्थिति बदलना

अंटार्कटिका में भारत के अनुसंधान केंद्र / Indian research stations in Antarctica

संदर्भ:

भारत ने **अपना पहला सीधे हवाई कार्गो मिशन अंटार्कटिका के लिए** सफलतापूर्वक लॉन्च किया, जिसमें **रूसी Ilyushin Il-76 विमान** का उपयोग किया गया। इस ऐतिहासिक उड़ान ने भारत के अनुसंधान केंद्रों **भारती** और **मैत्री** तक **18 टन आवश्यक आपूर्ति और वैज्ञानिक उपकरण** पहुँचाए, जो देश के ध्रुवीय अनुसंधान लॉजिस्टिक्स में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

अंटार्कटिका में भारत के अनुसंधान केंद्र और महत्व:

भारत के अनुसंधान केंद्र: अंटार्कटिका में भारत के प्रमुख अनुसंधान केंद्र हैं:

1. **दक्षिण गंगोत्री (1983)**
   - भारत का पहला अंटार्कटिक केंद्र।
   - अब बर्फ में दब जाने के कारण सक्रिय नहीं है।
   - आपूर्ति आधार के रूप में उपयोग।
2. **मैत्री (1988-89)**
   - दूसरा स्थायी केंद्र।
   - पूर्वी अंटार्कटिका के शिरमाकर ओएसिस में स्थित।
   - पास में प्रियदर्शिनी झील, मीठे पानी का स्रोत।
3. **भारती (2012)**
   - तीसरा केंद्र, आधुनिक सुविधाओं के साथ।
   - लार्समैन हिल्स के पास स्थित।
   - जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय अध्ययन के लिए अत्याधुनिक केंद्र।

अंटार्कटिक संधि (Antarctic Treaty):

- **स्थापना:** 1959, अंतर्राष्ट्रीय भूभौतिकीय वर्ष (1957-58) में।
- **सदस्य देश:** वर्तमान में 57, भारत 1983 से शामिल।
- **मुख्य प्रावधान:**
  1. शांतिपूर्ण उपयोग (अनुच्छेद I)
  2. वैज्ञानिक सहयोग (अनुच्छेद II)
  3. जानकारी साझा करना (अनुच्छेद III)

नई अनुसंधान स्टेशन योजना (2029):

- मैत्री स्टेशन अब पुराना हो चुका है।
- नए स्टेशन का निर्माण जनवरी 2029 तक पूरा होने की उम्मीद।
- प्रारंभिक स्थलाकृतिक सर्वेक्षण शुरू।

भारत के लिए महत्व:

1. **ऊर्जा और खनिज संसाधन:** अंटार्कटिका में संवहनीय संसाधनों का अध्ययन।
2. **जलवायु परिवर्तन अनुसंधान:** हिमालय और हिंद महासागर पर प्रभाव का अध्ययन।
3. **अंतरिक्ष तकनीक परीक्षण:** कठोर परिस्थितियों में लैंडर, रॉकेट और रिमोट सेंसिंग परीक्षण।
4. **समुद्री और ध्रुवीय क्षमता विकास:** नौवहन और आइसब्रेकर संचालन में अनुभव।
5. **जैव-पूर्वेक्षण:** सूक्ष्मजीव, एंजाइम और जैव-सक्रिय यौगिकों का पता लगाना, फार्मास्यूटिकल्स और कृषि में उपयोग।

अंटार्कटिका के बारे में जानकारी:

सामान्य परिचय:

- अंटार्कटिका पृथ्वी का सबसे दक्षिणी महाद्वीप है।
- अत्यधिक ठंडा, शुष्क और तेज़ हवाओं वाला क्षेत्र।
- लगभग 98% क्षेत्र बर्फ की मोटी चादर से ढंका, जिसमें विश्व के 70% मीठे पानी का भंडार है।
- कोई स्थायी मानव आबादी नहीं रहती; वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए सुरक्षित क्षेत्र।

भूगोल और जलवायु:

- **बर्फ का रेगिस्तान:** वर्षा बहुत कम, तकनीकी रूप से ध्रुवीय रेगिस्तान।
- **ऊँचाई और तापमान:** औसत ऊँचाई 2,200 मीटर; न्यूनतम तापमान −89.2°C।
- **महाद्वीप विभाजन:** ट्रांसअंटार्कटिक पर्वत श्रृंखला द्वारा पूर्व और पश्चिम अंटार्कटिका।
- **विशेष प्रकाश चक्र:** गर्मियों में लगातार दिन, सर्दियों में लगभग पूर्ण अंधकार।

वन्यजीवन:

- **समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र:** क्रिल, व्हेल, सील, पेंगुइन और मछलियाँ प्रमुख।
- **प्रमुख प्रजातियाँ:** एम्परर पेंगुइन, एडेली पेंगुइन, लेपर्ड सील, विभिन्न व्हेल।
- **कोई सरीसृप नहीं:** अत्यधिक ठंड के कारण।

तंबाकू उपयोग के प्रचलन के रुझानों पर WHO की वैश्विक रिपोर्ट / WHO Global Report on Trends in Prevalence of Tobacco Use

संदर्भ:

WHO का ग्लोबल रिपोर्ट – Trends in Prevalence of Tobacco Use 2000–2024 और Projections 2025–2030 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वाले व्यक्तियों में **तंबाकू के उपयोग की व्यापक अनुमानित दर** 2000 से 2024 तक प्रस्तुत करता है, साथ ही 2030 तक के **रुझानों का प्रक्षेपण** भी प्रदान करता है। यह रिपोर्ट वैश्विक स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति और तंबाकू नियंत्रण रणनीतियों के लिए महत्वपूर्ण जानकारी देती है।

रिपोर्ट के प्रमुख वैश्विक निष्कर्ष और भारत की स्थिति:

वैश्विक निष्कर्ष:

- **वयस्कों में तंबाकू उपयोग में गिरावट:** 2010 में वयस्कों में तंबाकू का उपयोग 26.2% था, जो 2024 तक घटकर 19.5% हो गया।
- **स्थायी लत:** गिरावट के बावजूद, दुनिया के हर पांच वयस्कों में से एक अब भी तंबाकू का सेवन करता है।
- **ई-सिगरेट का बढ़ना:** दुनिया भर में 100 मिलियन से अधिक लोग अब ई-सिगरेट का उपयोग कर रहे हैं, जिसमें 13-15 वर्ष के लगभग 15 मिलियन किशोर शामिल हैं।
- **लिंग आधारित अंतर:** महिलाएँ 2025 के 30% कम करने के लक्ष्य को पाँच साल पहले ही पूरा कर चुकी हैं, जबकि पुरुषों के लिए यह लक्ष्य 2031 तक पूरा होने का अनुमान है। तंबाकू उपयोगकर्ताओं में से पाँच में से चार पुरुष हैं।

क्षेत्रीय रुझान:

- **अमेरिका:** इस क्षेत्र ने 36% सापेक्ष कमी हासिल की है।
- **यूरोप:** अब वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक प्रचलन वाला क्षेत्र है, 2024 में 24.1% वयस्क तंबाकू का उपयोग करते हैं।
- **दक्षिण-पूर्व एशिया:** पुरुषों में तंबाकू उपयोग में महत्वपूर्ण कमी देखी गई, जो 2000 के बाद लगभग आधी हो गई है।
- **अफ्रीका:** प्रचलन सबसे कम है, लेकिन जनसंख्या वृद्धि के कारण उपयोगकर्ताओं की कुल संख्या बढ़ रही है।

भारत की प्रगति:

- भारत 2010-2025 के बीच तंबाकू उपयोग में **43% सापेक्ष कमी** के लक्ष्य पर है, जो WHO के 30% लक्ष्य से अधिक है।
- 2024 में, लगभग **243.48 मिलियन भारतीय (15 वर्ष और उससे अधिक आयु)** तंबाकू का उपयोग कर रहे थे।
- तंबाकू उपयोग को कम करने के लिए भारतीय सरकार ने कई उपाय लागू किए हैं, जिनमें **सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (COTPA)**, **इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम**, और **राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम** शामिल हैं।

भारत में तंबाकू उपयोग को कम करने के लिए किए गए उपाय:

- **सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (COTPA), 2003:** सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर प्रतिबंध, तंबाकू विज्ञापन पर रोक, नाबालिगों को बिक्री पर प्रतिबंध, पैकेजिंग और लेबलिंग का नियमन।
- **इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम, 2019:** इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट और समान उपकरणों का उत्पादन, आयात, बिक्री और विज्ञापन पूरी तरह प्रतिबंधित।
- **राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (2007-08 में लॉन्च):** हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाना, WHO के **Framework Convention on Tobacco Control (FCTC)** के अनुरूप।
- **टॉबैको-फ्री फिल्म नियम (2024):** फिल्मों और टीवी में तंबाकू के चित्रण के लिए नए मानक लागू किए गए।
- **येलो लाइन अभियान:** स्कूलों के आसपास 100 गज के दायरे में तंबाकू बिक्री पर प्रतिबंध को सुदृढ़ करने के लिए दृश्यमान संकेतक (पीली लाइनें) पेश की गईं।
- **कर और मूल्य हस्तक्षेप:** उत्पाद शुल्क और GST में क्रमिक वृद्धि, हालांकि विशेषज्ञों का सुझाव है कि प्रभाव अधिकतम करने के लिए और वृद्धि की जानी चाहिए।

सिफारिशें: रिपोर्ट सरकारों से आग्रह करती है कि वे **तंबाकू उद्योग की आक्रामक विपणन रणनीतियों** का मुकाबला करने के लिए मजबूत तंबाकू नियंत्रण उपाय लागू और कड़ाई से लागू करें। सुझाए गए कदमों में शामिल हैं:

- **तंबाकू उत्पादों पर कर वृद्धि।**
- **तंबाकू विज्ञापन पर पूर्ण प्रतिबंध।**
- **ई-सिगरेट जैसी नई निकोटीन उत्पादों का नियमन।**
- **तंबाकू छोड़ने की सेवाओं तक पहुँच का विस्तार।**

रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कार 2025 / nobel prize in chemistry 2025

संदर्भ:

रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने घोषणा की कि **सुसुमु किटागावा, रिचर्ड रॉब्सन और ओमार एम. यागी** को **2025 का नोबेल रसायन विज्ञान पुरस्कार** दिया गया है। इन्हें यह पुरस्कार मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क्स (MOFs) के विकास में उनके अग्रणी योगदान के लिए मिला है।

2025: मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क्स (MOFs):

- **पुरस्कार विजेता:** सुसुमु किटागावा (जापान), रिचर्ड रॉबसन (यूके/ऑस्ट्रेलिया), और ओमार एम. याघी (जॉर्डन/यूएसए)।
- **खोज:** इन्होंने **मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क्स (MOFs)** विकसित किए, जो बड़े, छिद्रपूर्ण गुहाओं वाली आणविक संरचनाएं हैं।
- **महत्त्व:** ये कस्टम-निर्मित सामग्री विशाल आंतरिक सतह क्षेत्र के साथ आती हैं और **रेगिस्तान की हवा से पानी निकालने, कार्बन डाइऑक्साइड को कैप्चर करने**, और **गैस संग्रहित करने** में उपयोगी हैं।

इस खोज का महत्व:

- **पर्यावरणीय समाधान:** MOFs वायुमंडल से **कार्बन डाइऑक्साइड** को कैप्चर कर सकते हैं और पानी से हानिकारक प्रदूषक, जैसे "फॉरेवर केमिकल्स" (PFAS), अलग कर सकते हैं।
- **स्वच्छ ऊर्जा:** ये सामग्री बड़ी मात्रा में **मीथेन और हाइड्रोजन गैस** को संग्रहित कर सकती हैं, जो नवीनीकरणीय ऊर्जा वाहनों के लिए आशाजनक हैं।
- **पानी की प्राप्ति:** शोधकर्ताओं ने **सूखी रेगिस्तानी हवा से पीने योग्य पानी** प्राप्त करने के लिए MOFs का सफलतापूर्वक उपयोग किया है।
- **खाद्य संरक्षण:** MOFs **फल से निकलने वाली एथिलीन गैस** को भी कैप्चर कर सकते हैं, जिससे फल के पकने की प्रक्रिया धीमी होती है और खराबी कम होती है।

वर्ल्ड पैरा-एथलेटिक्स चैंपियनशिप / World Para-Athletics Championships 2025

संदर्भ:

विश्व पैराऐथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2025 का आयोजन पहली बार भारत में, नई दिल्ली में किया गया।

वर्ल्ड पैरा-एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 के बारे में:

- यह **अंतर्राष्ट्रीय पैरा-एथलेटिक्स कमेटी (IPC)** द्वारा आयोजित, **दिव्यांग एथलीटों** के लिए प्रमुख वैश्विक आयोजन है, जो खेलों में **समावेशिता और उत्कृष्टता** को बढ़ावा देता है।
- **2025 का संस्करण:** 12वाँ वर्ल्ड पैरा-एथलेटिक्स चैंपियनशिप **नई दिल्ली** में 26 सितंबर से 5 अक्टूबर 2025 तक आयोजित किया गया।
- इस प्रतियोगिता में लगभग **100 देशों** के एथलीटों ने भाग लिया, इसे भारत द्वारा आयोजित सबसे बड़े पैरा-खेल आयोजनों में से एक बनाते हुए।
- यह चैंपियनशिप **आगामी पैरालंपिक खेलों के लिए क्वालीफिकेशन** का प्लेटफॉर्म भी प्रदान करती है।
- **मेडल टैली में शीर्ष प्रदर्शन:** ब्राज़ील ने कुल 44 पदक जीते, जिसमें 15 गोल्ड, 20 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज शामिल हैं।

भारत का प्रदर्शन:

- भारत ने इस चैंपियनशिप में **10वां स्थान** हासिल किया और अब तक की अपनी **सर्वश्रेष्ठ पदक टैली** दर्ज की।
- भारत ने कुल **22 पदक** जीते, जिसमें 6 गोल्ड, 9 सिल्वर और 7 ब्रॉन्ज शामिल हैं।

प्रभाव:

इस आयोजन की मेज़बानी को भारत के लिए वैश्विक पैरा-खेल समुदाय में एक महत्वपूर्ण कदम माना गया। इसने खेलों में समावेशिता पर देश के बढ़ते ध्यान को भी उजागर किया।

GS FOUNDATION
For
UPSC & STATE PSC
इतिहास
अर्थव्यवस्था
भूगोल
भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था
1500x4
~~₹6000/-~~
₹4500/-
रोज़ाना लाइव क्लासेस
साप्ताहिक टेस्ट
क्लास की पीडीएफ (हिंदी + अंग्रेज़ी में)
लाइव डाउट सेशन
रोज़ाना प्रैक्टिस प्रश्न
COURSE VALIDITY
1 YEAR

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
FOUNDATION COURSE
OF MUTUAL FUND
INVEST IN KNOWLEDGE GROW YOUR WEALTH
COMBO OFFERS
COURSE FEE
~~₹4000/-~~
OFFER PRICE
₹2800/-
Course Validity
1 YEAR
BBK
Baaten Bazaar ki
एक निवेश समझदारी से..

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
Baaten Bazar Ki
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुवात

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..
Baaten Bazar Ki

PORTFOLIO BUILDING AND MANAGEMENT COURSE

BBK Baaten Bazaar ki

EMI AVAILABLE

+ (FUNDAMENTAL OF STOCK MARKET)

FREE

- » Long-Term Investing Foundations
- » Principles of Value Investing and Stock
- » Portfolio Construction Mastery
- » Sectoral Investing
- » Stock Picking Framework
- » Active Portfolio Management Techniques
- » Mega Cap vs Mid Cap Strategy

SPECIAL BONUS

COURSE VALIDITY
1 YEAR